



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 17, 2003/पौष 27, 1924

No. 25]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 17, 2003/PAUSA 27, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 2003

सं. 14/29/2002-डीजीएडी.— भारत सरकार 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली एवं क्षति निर्धारण नियम 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले मै० अतुल लि०, गुजरात से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई है, जिसमें चीन जनवादी गणराज्य (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरा क्रेसोल (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है;
- (ii) आवेदन की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। इसके बाद याचिका को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था ;
- (iii) प्राधिकारी ने नियमों के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा पाटन के बारे में दिए गए आवेदन के संबंध में भारत में स्थित चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को सूचित किया;
- (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची-1 के अध्याय शीर्ष/उपशीर्ष 2907.12 के अन्तर्गत आने वाले पैरा क्रेसोल के आयात के संबंध में पाटनरोधी कार्यवाही शुरू की।

हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 27 अगस्त 2002 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की;

- (v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और शिकायतकर्ताओं को भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने के अवसर प्रदान किया;

(vi) उपर्युक्त नियम-6 के उपनियम (3) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी निर्यातकों और भारत में संबद्ध देश के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई;

(vii) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:-

चीन जियांगसु इंटरनेशनल इको एण्ड टेक
को ओपरेशन कं०, 1 हङ्गोंगमेन, स्ट्र, 9एफ,
जी०ई० हङ्गोंग गार्डन,
नानजिंग,
जियांगसु
चीन-210029

जियांगसु हुआइहुआ ग्रुप कं० लि०
3-आई, 3-जे, झोंगसा कामर्शियल बिल्डिंग,
9 # हांग मिआओ,
नार्थ हांग बु रोड, नानजिंग,
जियांगसु
चीन-210018

जिंजिन लिजिन कैमिकल कं० लि०
चीन,
टेलीफोन नं० 0086029 2234384
टेलीफोन नं० 0086029 6253117
नानजिंग लोंगयान कैमिकल्स कं० लि०,
102 टाइक्सिन रोड यांजिजि,
चीन

नानजिंग - जिंगमेई कैमिकल कं० लि०,
जिङ्गिओ - टाउन
लिफहुई काउंटी,
नानजिंग,
चीन
मै० चीन जियांगसु इंटरनेशनल इकोनामिक
टैकनीकल को-ओपरेशन कारपोरेशन
(सीजेआईईटीसीसी)
11/एफ चुन फेंग मेन्सन,

37 हुआ क्विआओ रोड,
नानजिंग - 210029
चीन जन गणराज्य

मै0 नानजिंग जिगमेई कैमिकल कं0 लि0,
जिंग क्विआओ टाउन, लिसहुई काउंटी
नाजिंग, चीन जन गण

viii) जांच शुरू करने के संबंध में नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को भी सूचित किया गया था और उन्हें अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने की सलाह देने का अनुरोध किया गया था।

ix) संबद्ध देश के निम्नलिखित आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी:-

इनवेंटा कैमिकल्स लि0,
10 - 91 सौभाग्यनगर,
आईडीपीएल कालोनी के सामने
हैदराबाद - 500037

नन्दोलिया आर्गेनिक कैमिकल्स
4/अहमद अमीर एस्टेट,
बोस्टन होटल के सामने
एसवी रोड जोगेश्वरी (पश्चिम)
मुम्बई - 400012

रत्नगिरि कैमिकल्स प्रा0 लि0,
611 तथा 612, 6वीं मंजिल,
रहेजा आर्कड
सेक्टर - 11, सीबीडी बेलपुर,
नवी मुम्बई - 400614

मैट्रोकेम इंडस्ट्रीज लि0,
505 - 506 'सूर्या रथ' पंचवटी,
एलिसब्रिज,
अहमदाबाद - 380 006

बेंजो कैम इंडस्ट्रीज लि०,
मधुकुंज, शंकर घानेकर मार्ग
प्रभादेवी
मुम्बई - 400 025

केतन कैमिकल कारपोरेशन,
30, स्वस्तिक प्लाजा,
वीएल मेहता रोड
जुहू स्कीम, कला निकेतन के आगे
विले पारले (पश्चिम)
मुम्बई - 400049

क्वालिटी इंडस्ट्रीज,
डब्ल्यू-50, एमआईडीसी, फेस-11
डोमबिवासी (पू) 421204 जिला - थाने
महाराष्ट्र

अमरूता भार्गवनिक्स लि०,
बी 23 सिन्नार ताल को-ओप०इंड० एस्टेट लि०,
सिन्नार - 422 103 जिला - नासिक

मै ब्लैक रोज एक्सपोर्टर्स प्रा० लि०,
145-ए मित्तल टावर, नरीमन प्वाइंट
मुम्बई - 400021

- (x) याचिकाकर्ताओं से क्षति के बारे में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी वह भी प्राप्त हो गई थी;
- (xi) प्राधिकारी ने अपने पास रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा;
- (xii) हितबद्ध पार्टियों में से कुछ पार्टियों ने प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था जिसे कारण बताए जाने पर प्रदान कर दिया गया था;
- (xiii) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का घोटक है;
- (xiv) जांच में 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 की अवधि शामिल है;
- (xv) प्रारंभिक सूचना की प्रतियां व्यापक प्रचालन के लिए फिक्की, सीआईआई, एसोचेम इत्यादि को भी भेजी गई थीं ।

ख. याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने अपने अनुरोध में निम्नलिखित मुख्य तर्क दिए हैं :-

- (i) यह आवेदन चीन से पैरा क्रैसोल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की लेवी प्राप्त करने के लिए दायर की गई है। उक्त उत्पाद का पाटन देश में उसके सामान्य मूल्य से काफी कम कीमत पर किया जा रहा है और इससे उक्त उत्पाद का विनिर्माण कर रहे भारतीय घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है।
- (ii) इस उत्पाद का प्रमुख उपयोग रंजक और रंग द्रव्य, इत्र और औषध मध्यवर्ती, चश्मे को चमकाने, सर्फैक्टेंट्स, सिन्थेटिक खाद्य फ्लेवर, पराबैंगनी प्रकाश अवशोषक, लुब्रिकेंट्स के लिए एन्टी ऑक्सिडेंट्स और स्टेबलाइजर्स में किया जाता है।
- (iii) भारत में पैरा क्रैसोल का एकमात्र उत्पादक अतुल लिमिटेड है।
- (iv) याचिकाकर्ता पैरा क्रैसोल के सभी ग्रेडों का उत्पादन करने में सक्षम है।
- (v) भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और आयातित वस्तुओं के बीच कोई अन्तर नहीं है।
- (vi) भारत में घरेलू उद्योग की उत्पादन प्रक्रिया और आयातित वस्तुओं की उत्पादन प्रक्रिया के बीच कोई अन्तर नहीं है।
- (vii) याचिकाकर्ता ने उक्त स्रोत अर्थात् कैमिकल ट्रेड इंटेलिजेंस पर आधारित आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है।

पाटन के संबंध में

- (viii) हमने संबद्ध देश के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमतों के बारे में सूचना प्राप्त करने की कोशिश की है। हमने निर्यातकों की कीमत सूची अथवा तीसरे देश को हुए निर्यात के लिए कीमत संबंधी साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास भी किए हैं। हमारा अनुरोध है कि हम संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु की कीमतों के बारे में कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य अथवा उक्त देश में बिक्री या अन्य देश को हुए निर्यातों के संबंध में निर्यातकों की कीमत सूची प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुए हैं। हमारा अनुरोध है कि जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ परिकलित सामान्य मूल्य उक्त सामान्य मूल्य का एक अच्छा संकेतक है। चूंकि यह आवेदन चीन से हुए आयातों के बारे में है इसलिए हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से पाटनरोधी नियमावली के नियम-7 और 8 (यथा संशोधित) के प्रावधानों को लागू करने का अनुरोध करते हैं। तदनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि वह याचिका के गोपनीय अंश में दिए गए ब्यौरों के आधार पर परिकलित सामान्य मूल्य को स्वीकार करें।
- (ix) संबद्ध देश के लिए निर्यात कीमत का आंकलन हमारे पास उपलब्ध आयात संबंधी आंकड़ों के साथ-साथ सीआईएफ मूल्य के आधार पर किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभारों के कारण समायोजन किए गए हैं।

क्षति के संबंध में

- (x) **संबद्ध देश से हुए आयात:-** यह देखा जा सकता है कि चीन से हुए आयात वर्ष 1999-2000 में मात्र 267 मी0 टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 586 मी0 टन हो गए हैं। जांच अवधि के दौरान चीन विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र आपूर्तिकर्ता रहा है। इसके अलावा 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान देश में कुल मांग की तुलना में संबद्ध देश से हुए आयात दो गुने से अधिक हो गए हैं।
- (xi) **भारतीय उत्पादकों द्वारा धारित बाजार हिस्से में परिवर्तन:-** देश में कुल खपत में घरेलू उद्योग को हिस्सा 1999-2000 में 89.82% से घटकर जांच अवधि के दौरान 85.15% हो गया है।
- (xii) **गंवाई गई संविदाओं का साक्ष्य:-** शिकायतकर्ता घरेलू उद्योग ने मौजूदा ग्राहकों को बनाए रखने और कीमतें कम करके अपने ग्राहक आधार को बढ़ाने की भरपूर कोशिश की। तथापि, यह तथ्य कि जांचावधि के दौरान भारत में 586 मी0 टन के पाटित आयात हुए इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि उसने अपने संभावित ग्राहकों को गंवाया है।
- (xiii) **उत्पादन/उत्पादकता और क्षमता उपयोग-पूर्ववर्ती वित्त वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के उत्पादन में गिरावट आई। यह देखा जा सकता है कि पूर्ववर्ती वित्त वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में लगभग 4.19% तक की गिरावट आई है। अतः यह स्पष्ट हो जाएगा कि क्षमता उपयोग में गिरावट के तथ्य को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की स्थिति अत्यधिक खराब हुई है।**
- (xiv) **बिक्री मात्रा एवं मूल्य:-** पूर्ववर्ती वित्त वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा में वृद्धि तो हुई है लेकिन ऐसा घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी किए जाने के कारण हुआ है। यह उल्लेखनीय है कि घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव के कारण घरेलू उद्योग को प्रत्यक्ष घाटे की स्थिति उत्पन्न हुई है यद्यपि हम अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने में समर्थ रहे हैं।
- (xv) **भंडार सूचियां:-** भंडार सूचियां मार्च, 2001 के अंत में *** मी0 टन से पर्याप्त: घटकर 31.3.2002 की स्थिति के अनुसार *** मी0 टन हो गई हैं जिनमें *** % से अधिक की वृद्धि हुई है।
- (xvi) **रोजगार जांच अवधि के दौरान रोजगार में मामूली गिरावट आई है। कर्मचारियों की संख्या पूर्ववर्ती वर्ष में *** के मुकाबले घटकर *** हो गई।**
- (xvii) **मजदूरी भारत में श्रम कानूनों के कठोर होने के कारण मजदूरी लागत में वृद्धि हुई है यद्यपि घरेलू उद्योग को पैराक्रेसोल के प्रचालनों पर घाटा हो रहा है।**
- (xviii) **लाभप्रदत्ता चीन द्वारा किए गए पाटन का घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री प्राप्ति पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा था। अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता को संबद्ध देश से कम कीमत के प्रस्तावों/आयातों से प्रतिस्पर्द्धा करनी पड़ी। संबद्ध देश द्वारा पाटन के कारण घरेलू उद्योग को घाटा उठाना पड़ा। यह देखा जा सकता है कि बिक्री लागत और बिक्री मात्रा के बीच अनुपात के रूप में कम्पनी की लाभप्रदता में पिछले तीन वर्षों के दौरान गिरावट आई है।**

- (xix) निवेश पर आय (लगाई गई पूंजी) उपर्युक्त घाटे का प्रभाव और अधिक बढ़ जाएगा जिससे संयंत्र में लगाई गई प्रभावी पूंजी के संबंध में देखा जाएगा । प्रारंभ में यह नोट किया जा सकता है कि पैराक्रैसोल उद्योग अत्यधिक पूंजी गहन उद्योग है । उद्योग में स्थापित क्षमता के प्रति मी० टन के लिए *** रूपए की राशि का निवेश किया । इसके लिए **** रूपए प्रति मी० टन से अधिक के न्यूनतम लाभ की अपेक्षा होगी । उचित लाभ की तुलना में घरेलू उद्योग को अपनी बिक्रियों पर वस्तुतः *** रूपए प्रति मी० टन का घाटा हो रहा है । यह भी देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को पैराक्रैसोल के प्रति मी० टन के उत्पादन में लगाई गई प्रभावी पूंजी पर *** % का घाटा हो रहा है ।
- (xx) कम कीमत पर बिक्री- लागत में कटौती करने तथा अपने प्रचालनों को कारगर बनाने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद घरेलू उद्योग अपने उत्पादों के लिए उचित कीमत प्राप्त करने की स्थिति में नहीं है । चीन से विचाराधीन उत्पाद का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उस कीमत से काफी कम है जिसे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पर प्राप्त किया जाना चाहिए था । कम कीमत पर बिक्री के इस उच्च स्तर के क्षतिकारक प्रभाव से घरेलू उद्योग का वित्तीय निष्पादन प्रत्यक्ष और प्रतिकूलतः प्रभावित हुआ है ।
- (xxi) पाटन मार्जिन की मात्रा याचिकाकर्ता द्वारा किए गए आंकलन के अनुसार चीन के लिए पाटन मार्जिन 36.49% बनता है ।
- (xxii) नकदी के प्रवाह पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभाव जैसाकि पहले उल्लेख किया जा चुका है घरेलू उद्योग घाटे पर कार्य कर रहा है । इस तथ्य के साथ साथ कि इस उद्योग की भंडार सूची का स्तर काफी अधिक है, नकदी के प्रवाह पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है ।
- (xxiii) विकास घाटे के कारण उद्योग कोई निवेश करने में सक्षम नहीं है ।

कारणात्मक संबंध

- (xxiv) पूर्वोक्त पैराग्राफों में दिए गए आयात के ब्यौरों से यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन से भिन्न स्त्रोतों से संबद्ध वस्तु का आयात शून्य रहा है जिससे यह पता चलता है कि अन्य स्त्रोत भी पाटित वस्तु के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने में सक्षम नहीं हैं ।
- (xxv) संबद्ध वस्तु की मांग कमोबेश स्थिर रही है और इसलिए मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाला एक कारक नहीं है ।
- (xxvi) क्षतिकारक कीमत पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में तेजी से हुए वृद्धि के कारण घरेलू बाजार में उचित लाभकारी बिक्री कीमत प्राप्त करने से वंचित हुआ है । समस्त कारकों की आद्योपांत जांच से इस बात का स्पष्ट पता चलेगा कि याचिकाकर्ताओं को हुए वास्तविक क्षति का एकमात्र कारण पाटित आयात हैं । अतः वास्तविक क्षति तथा चीन से हुए पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध की निसंदेह पुष्टि होती है ।

ग. निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

4. निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

- (i) मैसर्स नानजिंग लांजिआन कैमिकल कं० लि०, चीन
- (ii) मैसर्स नानजिंग जिगमाई कैमिकल कं० लि०, चीन

5. उपर्युक्त निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोध और/अथवा प्रदान की गई सूचना निम्नानुसार है:-

(क) मैसर्स नानजिंग लांजिआन कैमिकल कं० लि०, चीन

- (i) मैसर्स नानजिंग लांजिआन कैमिकल कं० लि०, चीन - चीन - विदेशी इक्विटी वाला संयुक्त उद्यम है, जिसे 25 जुलाई 1994 को चीन - विदेशी इक्विटी वाले संयुक्त उद्यमों से संबंधित चीन जनवादी गणराज्य के कानून के अनुसार एक विधिक प्रतिष्ठान के रूप में विधिवत स्थापित किया गया है।
- (ii) प्रतिवादी के कारोबार लाईसेंस की एक प्रति तथा संस्था के अंतर्नियमों की एक प्रति प्रस्तुत की गई है।
- (iii) प्रतिवादी कारोबार और उत्पादन संबंधी कार्यकलाप स्वतंत्र रूप से चलाता है, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों का स्वतंत्र रूप से चयन करता है तथा बाजार के संकेत के अनुसार बिक्री बाजार विकसित करता है।
- (iv) प्रतिवादी बाजार अर्थव्यवस्था/अलग-अलग विभाग का दावा करना चाहेगा। यदि कोई अतिरिक्त सूचना मांगी जाएगी तो प्रतिवादी भारतीय जांच प्राधिकारी के साथ सहयोग करेगा।
- (v) निर्यातक ने भिन्न-भिन्न अनुबंधों में घरेलू बिक्री, निर्यात, उत्पादन लागत इत्यादि के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है।

(ख) मैसर्स नानजिंग, जिगमाई कैमिकल कं० लि०, चीन

- (i) मैसर्स नानजिंग जिगमाई कैमिकल कं० लि०, चीन जो कि चीन विदेशी इक्विटी वाला संयुक्त उद्यम है, को वर्ष 1993 में चीन-विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम से संबंधित चीन जनवादी गणराज्य के कानून के अनुसार निगमित किया गया है।
- (ii) प्रतिवादी के कारोबार लाईसेंस की एक प्रति तथा संस्था के अंतर्नियमों की एक प्रति प्रस्तुत की गई है।
- (iii) प्रतिवादी कारोबार और उत्पादन संबंधी कार्यकलाप स्वतंत्र रूप से चलाता है, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों का स्वतंत्र रूप से चयन करता है तथा बाजार के संकेत के अनुसार बिक्री बाजार विकसित करता है।
- (iv) प्रतिवादी बाजार अर्थव्यवस्था/अलग-अलग विभाग का दावा करना चाहेगा। यदि कोई अतिरिक्त सूचना मांगी जाएगी तो प्रतिवादी भारतीय जांच प्राधिकारी के साथ सहयोग करेगा।
- (v) निर्यातक ने भिन्न-भिन्न अनुबंधों में घरेलू बिक्री, निर्यात, उत्पादन लागत इत्यादि के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है।

6. निम्नलिखित आयातकों ने आयातक प्रश्नावली से संबंधित सूचना देकर उत्तर प्रस्तुत किया है:-

- (i) मैसर्स नंदोलिया आरगेनिक कैमिकल प्रा० लि०, मुम्बई
- (ii) यूनिवर्सल कैमिकल एण्ड इंडस्ट्रिज लि०, मुम्बई
- (iii) ब्लैक रोज एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०, मुम्बई

7. चीन से पैराक्रैसोल पर पाटनरोधी शुल्क न लगाए जाने के बारे में मैसर्स ब्लैक रोज एक्सपोर्ट्स प्रा० लि०, मुम्बई द्वारा निम्नलिखित अन्य अनुरोध किए गए हैं -

- (i) अतुल लि० भारत में पैराक्रैसोल का एकमात्र विनिर्माता है जिसकी संयंत्र क्षमता 5000 मी० टन/वार्षिक है। विनिर्मित ग्रेड 85-96% शुद्धता का है। इस प्रकार 98 % शुद्धता के अनुसार यह 3750 मी० टन/वार्षिक बनता है।
- (ii) अतुल स्वयं पीक्रेसिडाइन, पैराएनीसाल्डीहाइड, पैराएनिसिक एल्कोहल जैसे आनुषंगिक उत्पादों का विनिर्माण करता है जिनमें लगभग 33.70 मी. टन की खपत होती है तथा शेष लगभग 1500 मी० टन को घरेलू बाजार में भेज दिया जाता है।
- (iii) पैराक्रैसोल का भारतीय बाजार 7600 मी० टन का है और जैसाकि ऊपर स्पष्ट किया गया है। अतुल लि० के पास घरेलू बिक्री हेतु लगभग 1500 मी० टन की बेशी मात्रा रखती है। इस प्रकार एकमात्र विकल्प पैराक्रैसोल के आयात का बचता है।
- (iv) अतुल द्वारा मुख्यतः 98% शुद्धता का विनिर्माण किया जाता है और वह भी अनुरोध पर और उपलब्धता के अनुसार उपलब्ध होता है क्योंकि इसमें से अधिकांश उत्पाद 85-96% शुद्धता का होता है।
- (v) अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में स्वीकार किए जाने के लिए अपने अंतिम उत्पाद के विनिर्माण हेतु पैराएनीसाल्डीहाइड, पैराएनीसिक एल्कोहल के विनिर्माताओं के लिए 33.5% डिग्री से० के निर्धारित बिंदु के साथ न्यूनतम 99% शुद्धता अपेक्षित होती है। अतुल ऐसी सामग्री नहीं प्राप्त कर सकता।
- (vi) पैराक्रैसोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का तात्पर्य गुणवत्ता के नुकसान से होगा यदि इसका विनिर्माण अतुल की सामग्री से किया गया होगा और इसके परिणामस्वरूप राष्ट्र को निर्यात राजस्व का नुकसान होगा।
- (vii) निविष्टि-उत्पादन मानदंडों में यह विनिर्दिष्ट है कि एक मी० टन पैराक्रैसोल के विनिर्माण हेतु 1.559 मी० टन टोल्यून + 1.63 मी० टन कास्टिक सोडा की जरूरत होती है। इस मानदंड का निर्धारण वस्तुतः अतुल के विनिर्माण के आधार पर किया गया है। यदि पैराक्रैसोल को उपर्युक्त आधार पर तैयार किया जाता है तो निकाली गई लागत आयात कीमत से काफी कम बनती है। इसका तात्पर्य यह है कि अतुल के पास प्रौद्योगिकीय अक्षमता अथवा पुरानी जानकारी होने की समस्या है।
- (viii) चीन से इतर यू०के० भी इन्हीं कीमत स्तरों का प्रस्ताव रखता है।

- (ix) अतुल का एरोमेटिक डिवाइजन जो इन उत्पादों का विनिर्माण करता है, समूचे समूह में सर्वाधिक लाभ कमाने वाला डिवाइजन है। इसका तात्पर्य यह है कि इन कीमत स्तरों पर उन्हें लाभ का पर्याप्त स्तर प्राप्त है और इसका तात्पर्य यह भी है कि आयातों से उनके आधारभूत स्तर पर नुकसान नहीं पहुंचता है।
- (x) जब तक चीन ने भारतीय बाजारों में प्रस्ताव शुरू नहीं किए थे तब तक अतुल वस्तुतः एकाधिकार की स्थिति में था और यदि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा तो एकाधिकार की वही स्थिति पुनः बन जाएगी।
- (xi) अतुल द्वारा कोटा प्रणाली पर पैराक्रैसोल का प्रस्ताव किया जाता है जिसके तहत केवल कुछ ग्राहक ही नियमित आधार पर सामग्री प्राप्त करते हैं।

8. अन्य आयातकों/उपयोक्ताओं द्वारा किए गए अनुरोध:-

(क) मैसर्स ग्लोबल बल्क ड्रग्स एंड फाइन कैमिकल्स प्रा० लि०, हैदराबाद - इसने निम्नलिखित सामान्य अनुरोध किए हैं :-

- (i) बल्क औषधियों में से एक औषधि, डिल्टियाजेम और उसके मध्यवर्तियों का विनिर्माण मूलभूत कच्ची सामग्री "पैराएनिसिक एल्डीहाइड" से किया जाता है। जिसका विनिर्माण और आपूर्ति मै० अतुल लि०, मै नंदोलिया आर्गेनिक और मैसर्स एसेंट फाइनकेम प्रा० लि० द्वारा की जाती है।
- (ii) मै० अतुल लि० के पास 95% शुद्धता के पैराक्रैसोल के लगभग 5000 मी० टन की विनिर्माण क्षमता है।
- (iii) यह पैराएनीसिक एल्डीहाइड के विनिर्माण में पैराक्रैसोल के लगभग 2900 मी० टन वार्षिक की कारखानागत खपत करता है।
- (iv) यह पैराक्रैसोलाइन के विनिर्माण में पैराक्रैसोल के लगभग 300 मी० टन की वार्षिक कारखानागत खपत करता है।
- (v) यह पैराएनीसिक एल्कोहल के विनिर्माण में पैराक्रैसोल के लगभग 190 मी० टन वार्षिक की खपत भी करता है।
- (vi) इसके अलावा यह स्थानीय बाजार में आनुषंगीय उत्पादों के विनिर्माताओं को पैराक्रैसोल के लगभग 1500 मी० टन वार्षिक की बिक्री करता है।
- (vii) उपर्युक्त सभी अपेक्षाओं को पूरा करने के बाद अतुल लि० के पास शेष पैराक्रैसोल का बेशी मात्रा केवल 110 मी० टन की होगी। मै० एसेंट फाइनकेम प्रा० लि० और मै० नंदोलिया आर्गेनिक प्रा० लि०, की "पैराएनिसिक एल्डीहाइड" की स्थापित निर्माण क्षमता प्रत्येक के लिए लगभग 750 मी० टन वार्षिक है जिसके लिए लगभग 1000 मी० टन प्रत्येक/वार्षिक पैराक्रैसोल के उपयोग की जरूरत है। इस प्रकार पैराक्रैसोल के उपर्युक्त निर्माण हेतु कुल मांग 2000 मी० टन वार्षिक की है जिसकी पूर्ति मै० अतुल लि० द्वारा नहीं की जा सकती क्योंकि उसके पास इस जरूरत को पूरा करने के लिए कोई बेशी मात्रा नहीं है। इस बात को भी नोट किया जा सकता है कि मै० अतुल लि० भारत में पैराक्रैसोल का एकमात्र

विनिर्माता होने के नाते वह अपेक्षाकृत अधिक एकाधिकार की स्थिति में है जिसमें पैराक्रैसोल की आपूर्ति हेतु उस पर किसी प्रकार की निर्भरता न केवल आत्मघाती होगी बल्कि बल्क औषधि निर्माताओं के हितों के प्रतिकूल भी होगी ।

- (viii) इसके अलावा मै0 नंदोलिया आर्गेनिक्स एंड मै0 एसेंट फाइनकेम द्वारा बाजार में प्रवेश करने से पूर्व मै0 अतुल लि0 एकाधिकार युक्त बाजार का लाभ उठाता रहा है और वह लगभग 350/-रुपए प्रति किग्रा0 की कीमत पर पैराएनिसिक एल्डीहाइड की बिक्री कर रहा था जो प्रतिस्पर्द्धियों के प्रवेश के कारण घटकर इस समय 225/-रुपए प्रति किग्रा0 हो गई है । इससे घरेलू बल्क औषधि उद्योग अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कारगर ढंग से प्रतिस्पर्द्धा करने में समर्थ हुआ है ।
- (ix) हम आपकी जानकारी में यह बात भी जाना चाहते हैं कि आयातित पैराक्रैसोल की पहुँच कीमत मै0 अतुल लि0 की कीमत से अधिक है । मै0 अतुल लि0 की पैराक्रैसोल की उत्पादन लागत 110/-रुपए प्रति किग्रा0 की उनकी बिक्री कीमत की तुलना में लगभग 70/-रुपए प्रति किग्रा0 की है । चीन के पैराक्रैसोल का निर्यात 1.58 से लेकर 1.60 अमेरिकी डालर प्रति किग्रा0 सीआईएफ भारतीय पत्तन की दर से किया जा रहा है ।
- (x) इस प्रकार पैराक्रैसोल पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से अन्य पैराएनिसिक एल्डीहाइड के निर्माता को नुकसान पहुंचेगा क्योंकि उन्हें पैराक्रैसोल जो कि पैराएनिसिक एल्डीहाइड के विनिर्माण हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री है, की आपूर्ति के लिए मै0 अतुल लि0 पर निर्भर रहना होगा । इससे पैराएनिसिक एल्डीहाइड की कीमतों में वृद्धि होगी और अन्य विनिर्माता बाजार से बाहर हो जाएंगे जिससे एकाधिकार की स्थिति पुनः उत्पन्न हो जाएगी जो खासकर पैराएनिसिक एल्डीहाइड के विनिर्माताओं और सामान्यतः बल्क औषधि उद्योग के हित के प्रतिकूल होगी ।
- (xi) यह सूचना 31.3.2002 की स्थिति के अनुसार मै0 अतुल लि0 के तुलन पत्र और बाजारी स्रोतों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रस्तुत की है ।

(ख) मैसर्स अनंत फ्रैगरेन्स प्रा. लि. ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं-

- (i) हम उच्च गुणवत्ता के परिष्कृत रासायनिक उत्पादों के विभिन्न उत्पादों का विनिर्माण करते हैं और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनकी आपूर्ति करते हैं। मूलभूत कच्ची सामग्री पैराक्रैसोल के एक या अधिक आनुषंगिक उत्पाद होते हैं।
- (ii) इस समय ये आनुषंगिक उत्पाद अनेक घरेलू विनिर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं से प्रतिस्पर्द्धी दरों पर हमारे लिए उपलब्ध हैं। मै. अतुल लि. पैराक्रैसोल के इन आनुषंगिक उत्पादों का प्रमुख विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता भी है। यदि यह याचिका अनुमोदित हो जाती है तो इससे वह इन आनुषंगिक उत्पादों का एकमात्र विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता बन जाएगा जिससे वह एकाधिकार की स्थिति में आ जाएगा। मौजूदा विनिर्माताओं द्वारा इन उत्पादों को न उपलब्ध किए जाने के कारण इससे इस उत्पादों की अनुपलब्धता अथवा कम आपूर्ति की स्थिति भी बनेगी। ऐसी समग्र स्थिति में हम घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अप्रतिस्पर्द्धी बन जाएंगे।
- (iii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए हम अपने वास्तविक कारोबारी हितों की रक्षा करने में मदद हेतु मै. अतुल लि. द्वारा दायर की गई याचिका को अनुमोदित न करने का अनुरोध करते हैं।

ग. मै. मौराया ग्लोबल प्रा. लि. मुंबई ने अपने अनुरोधों में यह बताया है कि मै. अतुल लि. द्वारा आपूर्ति किया गया पैराक्रैसोल न केवल घटिया स्तर का है बल्कि वह किसी रूप में उपयुक्त भी नहीं है। मै. अतुल लि. द्वारा समय पर सामग्री की आपूर्ति भी नहीं की जा रही है। मै. अतुल लि. मुख्यतः चीन से आयातित पैराक्रैसोल से ही प्रतिस्पर्द्धी करता है। यदि पैराक्रैसोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा तो मै. अतुल लि. पूर्व एकाधिकार की स्थिति में आ जाएगा। ऐसी स्थिति में समूचा भारतीय सुगंधित रसायन उद्योग, जिसके पास बेहतर निर्यात क्षमता है, को भारी नुकसान होगा।

(घ) मैसर्स जेनिथ एंक्साइज, अहमदाबाद और मै. नाइकनवारे कैमिकल्स लि०, मुंबई ने यह कहते हुए मै. अतुल लि. की याचिका का विरोध किया है कि भारत में पैराक्रैसोल का एकमात्र विनिर्माता होने के नाते मै. अतुल लि. इस उत्पाद की स्थानीय मांग को पूरा करने में समर्थ नहीं है और उनकी आपूर्तियां सुसंगत नहीं हैं। अतुल द्वारा पैराक्रैसोल के दो ग्रेडों अर्थात् 95% और 98% शुद्धता की पेशकश की जाती है और इन ग्रेडों के बीच कीमतों में भारी अंतर होता है। पैराक्रैसोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के प्रस्ताव से अतुल लि. तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं द्वारा पैराक्रैसोल की कीमतों ने बढ़ोतरी की जाएगी।

घ. प्राधिकारी द्वारा जांच और जांच परिणाम

9. याचिकाकर्ताओं, आयातकों, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दायर किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और इन जांच परिणामों को निकालते समय उन पर विचार किया गया है तथा जहां उचित समझा गया है, एतद् पश्चात् उन पर कार्रवाई की गई है।

10. नए निर्यातकों अथवा जिन निर्यातकों ने कीमत वचनपत्र देने की इच्छा व्यक्त की है, उनके मामलों पर अनुरोध करने पर प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त नियमों पर विचार किया जाएगा ।

विचाराधीन उत्पाद

11. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद पैराक्रैसोल है, (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) । संबद्ध वस्तु का प्रमुख उपयोग रंजक और रंग द्रव्य, इत्र और औषध मध्यवर्ती, चश्मे को चमकाने, स्पेक्टेंट्स, सिंथेटिक खाद्य फ्लेवर, पैराबैंगनी प्रकाश अवशोषक, लुब्रिकेंट्स के लिए एन्टीऑक्सिडेंट्स और स्टेबलाइजर्स में किया जाता है ।

यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क शीर्ष 2907.12 के अंतर्गत आता है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है । यह उत्पाद आई टी सी एच एस कोड 29071201 के अंतर्गत वर्गीकृत है ।

समान वस्तु

12. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों और आयातित उत्पादों के बीच कोई अंतर नहीं है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग विभिन्न ग्रेडों में पैराक्रैसोल का उत्पादन करता है । आयातकों ने अपने तर्कों में इस बात का खंडन नहीं किया है कि मै. अतुल लि. पैराक्रैसोल के विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन करने में सक्षम है । प्राधिकारी का विचार है कि आयात किए जा रहे उत्पाद का उपयोग घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद के स्थान पर किया जाता है । अतः प्राधिकारी प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पैराक्रैसोल विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है ।

घरेलू उद्योग

13. यह याचिका मै. अतुल लि0 (एरोमेटिक्स डिवीजन), जिला वलसाड, गुजरात द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ता कंपनी भारत में पैराक्रैसोल का एक मात्र उत्पादक है । अतः उनका उत्पादन संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन का 100% बनता है । याचिकाकर्ता ने सूचित किया है कि उन्होंने निर्यात दायित्व को पूरा करने के लिए अग्रिम लाइसेंस के तहत जांच अवधि के दौरान 32 मी.टन का आयात किया है । कुछ आयातकों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि चूंकि याचिकाकर्ता ने जांच अवधि के दौरान आयात किया है इसलिए उन्हें पात्र घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाए । प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. अतुल लि0 द्वारा जांच अवधि के दौरान 32 मी.टन का जो आयात किया गया था वह निर्यात उत्पादन के लिए था और यह आयात उनके पैराक्रैसोल के संयंत्र को सुनियोजित ढंग से बंद किए जाने के कारण आवश्यक था । प्राधिकारी यह नहीं समझते हैं कि निर्यात उत्पादन हेतु आयात की इस अल्प मात्रा से याचिकाकर्ता उपर्युक्त नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" के रूप में माने जाने के लिए अपात्र बन जाता है ।

ड. पाटन एवं सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में किए गए दावों की जांच

सामान्य मूल्य

14. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (1)(ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:-

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या

(ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या बाजार की विशेष स्थिति के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो ।

15. प्राधिकारी ने धारा 9क(1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी । निम्नलिखित दो निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुआ था;

(i) मै. नानजिंग लानजियांग केमिकल कं.लि., चीन

(ii) मै. नानजिंग जिगमाई केमिकल लि., चीन

16. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया था कि वे संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के मूल्य अथवा उस देश में बिक्री हेतु अथवा किसी दूसरे देश में निर्यात के लिए निर्यातकों की मूल्य सूची के संबंध में कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुए हैं । इसके अलावा, उन्होंने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 एवं 8 (यथा संशोधित) के उपबंधों को लागू करने हेतु अनुरोध किया है क्योंकि निर्यातक चीन से हुए हैं । तदनुसार उन्होंने परिकलित सामान्य मूल्य स्वीकार करने का अनुरोध किया है । ऊपर वर्णित दोनों निर्यातकों ने अपने उत्तर में बाजार अर्थ व्यवस्था अलग अलग व्यवहार का दावा किया है । उन्होंने यह भी दावा किया है कि वे उत्पादन तथा व्यवसाय स्वतंत्र रूप से करते हैं, स्वतंत्र रूप से आपूर्तिकर्ताओं तथा ग्राहकों का चयन करते हैं, बाजार के संकेत के अनुसार बिक्री बाजार विकसित करते हैं ।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में अन्य बातों के साथ साथ यह उपबंध है कि:-

"गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश से कीमत अथवा परिकलित लागत के आधार पर अथवा किसी ऐसे तीसरे देश से भारत समेत अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित लाभ मार्जिन यदि आवश्यक हो, को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करके समान वस्तु हेतु भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत समेत किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा ।"

इसके अलावा, नियमावली के अनुबंध(1) के पैरा 8 में (यथा संशोधित) यह उपबंध है कि:

8(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्द तात्पर्य ऐसे किसी देश से है, जिसके संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारण उप पैरा ग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार लागत और कीमत निर्धारण संबंधी ढांचे के बाजारी सिद्धांतों पर कार्य न करने वाले देश के रूप में किया जाता है जिससे कि ऐसे देश में उक्त वस्तु की बिक्री से उस वस्तु के उचित मूल्य का पता चल सके ।

(2) यह अनुमान लगाया जाएगा कि ऐसा कोई देश जिसे जांच शुरू करने से पूर्व तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है अथवा उसे ऐसा माना गया है, वह गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है ।

बशर्ते कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश या ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसे किसी अनुमान का खंडन कर सकते हैं जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि उप पैराग्राफ 3 में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर ऐसा देश गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) कच्चे माल सहित निविष्टियों की कीमतों, लागतों, प्रौद्योगिकी तथा श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों के निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजारी संकेतों के जवाब में और इस संबंध में राज्य के किसी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बगैर लिए गए हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से परिलक्षित होते हैं ;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाली प्रणाली से गृहीत विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए किए गए भुगतान के संबंध में भारी विकृतियों के अधीन हैं ;

(ग) ऐसी फर्में दिवालिया तथा सम्पत्ति संबंधी कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देते हैं ; और

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

बशर्ते कि जहां इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट है मानदंड के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह प्रदर्शित किया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन ऐसी एक या अधिक फर्मों के लिए बाजारी स्थितियां विद्यमान है, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 और इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकता है ।

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि दोनों निर्यातकों ने इस आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था/अलग अलग व्यवहार का दावा किया है कि वे उत्पादन और कारोबार कार्य कलाप स्वतंत्र रूप से करते हैं आपूर्तिकर्ता और ग्राहकों का चयन स्वतंत्र रूप से करते हैं तथा बाजार के संकेत के अनुसार बिक्री बाजार विकसित करते हैं । तथापि, प्राधिकारी यह पाते हैं कि पैराग्राफ 8 के उप-पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर ऐसा कोई पर्याप्त साक्ष्य और सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है जिससे इस अनुमान का खंडन किया जा सके कि निर्यातक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के हैं । अतः प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 1-6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू करने में असमर्थ हैं और "उपलब्ध तथ्यों" के अनुसार कार्रवाई करने के लिए बाध्य हैं । इसके अलावा प्राधिकारी यह पाते हैं कि प्रश्नावली की परिशिष्ट 8 और 9 में यथापेक्षित उत्पादन लागत के बारे में निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना अधूरी और त्रुटिपूर्ण है । कच्ची सामग्रियों के संबंध में अंतिम उत्पादन प्रत्येक कच्ची सामग्री का अनुपात नहीं दिया गया था; पैराक्रैसोल के उत्पादन की लागत के आवंटन का आधार नहीं दिया गया था । उपलब्ध वित्तीय विवरण अर्थात् लाभ एवं हानि खाते, तुलन पत्र से जांच अवधि के लिए उत्पादन लागत का सत्यापन नहीं हो सका था । चूंकि प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी उत्पादन लागत का सत्यापन करने में समर्थ नहीं हुए थे इसलिए घरेलू बिक्री सौदों को व्यापार के सामान्य रूप में नहीं किया गया नहीं माना जा सकता । प्राधिकारी ने प्रस्तुत की गई सूचना में कमियों के बारे में संबंधित निर्यातकों को अलग अलग विस्तार से सूचित किया गया है । इस सूचना को यदि निर्यातकों द्वारा बाद में प्रस्तुत किया जाता है तो उस पर अंतिम निर्धारण के लिए विचार किया जाएगा ।

19. इन परिस्थितियों में नियमों के तहत सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर किया जाता है । अतः याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार अनुमानित उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासनिक तथा अन्य खर्चों और लाभ की उचित राशि के संबंध में उपलब्ध सूचना को चीन जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के आंकलन के आधार के रूप में लिया गया है जिसे *** अ.डा./किग्रा माना गया है । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत उत्पाद लागत से संबंधित साक्ष्य पर विचार करते समय प्राधिकारी ने इष्टतम क्षमता स्तर पर मानकीकृत करने के बाद घरेलू उद्योग की वास्तविक उत्पादन लागत के संदर्भ में सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है ।

निर्यात कीमत

20. मैसर्स नानजिंग जिगमाई कैमिकल क.लि., चीन

मै. नानजिंग जिगमाई ने सूचित किया है कि इन्होंने जांच अवधि के दौरान संबंध उत्पाद का भारतीय बाजार को सीधे निर्यात नहीं किया बल्कि उसका निर्यात घरेलू व्यापारिक कंपनियों द्वारा किया गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नानजिंग जिगमाई द्वारा उत्पादित *** मी.टन पैराक्रैसोल का निर्यात घरेलू व्यापारिक कंपनियों द्वारा भारत को किया गया था। प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य से हुए आयातों के बारे में सहयोगी आयातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना पर भी विचार किया है। निर्यातक ने घरेलू व्यापारिक कंपनियों की बिक्री में से अंतर्देशीय भाड़े तथा हैंडलिंग प्रभारों के कारण समायोजन दर्शाये हैं। प्राधिकारी ने कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए इन मदों के संबंध में समायोजन किए हैं।

21. मैसर्स नानजिंग लांजियान कं. लि०, चीन

मैसर्स नानजिंग लांजियान कं. लि. ने भारत को *** मी.टन पैराक्रैसोल के निर्यातों के बारे में सूचना दी है। उन्होंने छूट, पत्तन प्रभारों, समुद्री भाड़े, बीमा एवं बैंक प्रभारों के कारण समायोजन दर्शाए हैं। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक द्वारा प्रस्तुत भारत औसत निर्यात कीमत में से इन मदों के संबंध में समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

22. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांत नियमावली के अनुबंध-1 में निर्धारित किए गए हैं। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने पैराक्रैसोल 98% के संबंध में व्यापार के सामान्य स्तर पर गणना एवं तुलना की है। कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य की तुलना पैराक्रैसोल की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की गई है। उपर्युक्त किए गए निर्धारण के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के पश्चात पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

क्र.सं.	निर्यातक का नाम	पाटन मार्जिन %
1	मै. नानजिंग जिगमाई कैमिकल कं.लि., चीन	40.74%
2	मै. नानजिंग लांजियान कैमिकल कं.लि., चीन	31.94%
3	चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक	45.04%

क. क्षति

23. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में निम्नलिखित व्यवस्था है:-

क्षति का निर्धारण:

- (1) विनिर्दिष्ट देशों से हुए आयातों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी आगे अपने निष्कर्ष दर्ज करेंगे कि भारत में होने वाले ऐसे आयातों से भारत में स्थापित किसी उद्योग को वास्तविक क्षति होती है अथवा क्षति का खतरा उत्पन्न होता है अथवा किसी उद्योग को स्थापित करने में बाधा आती है ;

- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति, घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के खतरे और घरेलू उद्योग की स्थापना में आने वाली वास्तविक बाधा और पाटित आयातों की मात्रा, और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर इसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव समेत सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इन नियमों के अनुबंध II में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे ।

24. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में उल्लिखित/क्षाते निर्धारण संबंधी सिद्धांतों में यह निर्धारित है कि:

(i) क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होगी ।

(ii) पाटित आयातों के मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में काफी वृद्धि हुई है । नियम 18 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा काफी हद तक कीमतों में कमी लाना अथवा कीमत की उस वृद्धि को रोकना है जो कि अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती ।

25. याचिकाकर्त्ताओं के विचार

क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में याचिकाकर्त्ता के विचार इन जांच परिणामों के भाग-ख में निहित है जिन्हें संक्षिप्तता की वजह से दोहराया नहीं जा रहा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. प्राधिकारी ने क्षति के बारे में याचिकाकर्त्ता, निर्यातकों, आयातकों और उपभोक्ताओं के मतों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने विभिन्न क्षति संबंधी मापदंडों से संबंधित सूचना की निम्नानुसार जांच की है।

संबद्ध देश से आयात

27. याचिका के अनुसार संबद्ध देश से आयात 1999-2000 में 267.4 मी० टन, 2000-2001 में 724 मी० टन और जांच अवधि 2001-2002 के दौरान 586 मी० टन के हुए थे। तथापि निर्यातकों/आयात से प्राप्त सूचना के अनुसार प्राधिकारी यह पाते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पैराक्रैसोल के 1217.87 मी० टन के आयात हुए थे। प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 68% तक की वृद्धि हुई है। तथापि कुल आयातों में संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा पूर्ववर्ती वर्ष के 99.72% और 1999-2000 के 68.82% के हिस्से की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 100% हो गया है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयातों में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।

बाजार हिस्सा

28. प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में घरेलू उद्योग और संबद्ध देश से हुए आयात का बाजार हिस्सा निम्नानुसार रहा है :-

	1999-2000	2000-2001	2001-2002 (जांच अवधि)
घरेलू उद्योग का हिस्सा (%)	49.67 %	27.68 %	30 %
संबद्ध देश से आयातों का हिस्सा	34.54 %	72 %	70 %

संबद्ध वस्तु की कुल मांग में संबद्ध देश से हुए आयातों का बाजार हिस्सा 1999-2000 में 34.54% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 70% हो गया है। तथापि पूर्ववर्ती वर्ष में बाजार हिस्सा 72% से कम हुआ है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट नहीं आई है। यह 2000-2001 के दौरान 27.68% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 30% हो गया है।

क्षमता उपयोग

29. प्राधिकारी यह पाते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से प्रदर्शित होता है :-

वर्ष	क्षमता उपयोग (%)
1999-2000	61.78 %
2000-2001	67.71 %
2001-2002 (जांच अवधि)	62.80 %

(सूचीकृत)

बिक्री मात्रा

30. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा 2000-2001 में *** से बढ़कर जांच अवधि में *** हो गई है तथा सूचीकृत आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	बिक्री मात्रा (मी. टन)
1999-2000	100
2000-2001	69
2001-2002 (जांच अवधि)	130

भंडार सूची

31. प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा भारित तैयार माल की भंडार सूची में मार्च, 2001 को समाप्त पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मार्च, 2002 में वित्त वर्ष की समाप्ति पर पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसमें *** % की वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

रोजगार

32. जांच अवधि में रोजगार में मामूली गिरावट आई है।

मजदूरी

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मजदूरी लागत में वृद्धि हुई है।

लाभप्रदत्ता

34. प्राधिकारी ने कुछ आयातों को/उपयोक्ताओं के इन तकों पर ध्यान दिया है कि मै0 अतुल लि0 की एरोमैटिक डिवीजन भारी मुनाफा कमाती है और इसलिए घरेलू उद्योग क्षति का दावा नहीं कर सकता। मै0 अतुल लि0 एरोमैटिक डिवीजन में अनेक उत्पादों का निर्माण करती है और पैराक्रैसोल उनमें से एक उत्पाद है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति पर संबद्ध वस्तु के पाटन का अत्यधिक प्रभाव पड़ा था। याचिकाकर्ता को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के कम कीमत के प्रस्तावों/आयातों से प्रतिस्पर्द्धा करनी पड़ी थी। बिक्री लागत बिक्री प्राप्ति से अधिक रही है इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के विनिर्माण और बिक्री में घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है। अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग को पैराक्रैसोल से संबंधित विनिर्माण में घाटा हुआ है।

लगाई गई पूंजी पर आय

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पैराक्रैसोल का विनिर्माण अत्यधिक पूंजी गहन होता है। उचित लाभ कमाने की बजाए घरेलू उद्योग को पैराक्रैसोल की बिक्री पर वस्तुतः *** रूपए प्रति मी० टन का घाटा हो रहा है। अतः घरेलू उद्योग को पैराक्रैसोल के प्रति मी० टन उत्पादन पर लगाई गई प्रभावी पूंजी पर *** % का घाटा हो रहा है।

कम कीमत पर बिक्री

36. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुँच मूल्य के साथ की है और यह पाया है कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप काफी कम कीमत पर बिक्री की गई है।

नकदी के प्रवाह पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभाव

37. प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग पैराक्रैसोल के विनिर्माण हेतु लगाई गई पूंजी पर मामूली आय भी प्राप्त करने में समर्थ नहीं रहा है। भंडार सूची का स्तर भी काफी अधिक है। अतः घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है।

वृद्धि

38. प्राधिकारी यह पाते हैं कि घाटे के कारण घरेलू उद्योग के लिए कोई नया निवेश करने में भारी कठिनाई हो रही है।

छ. कारणात्मक संबंध

39. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-॥ के सिद्धांत (v) के अनुसार घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की है। नियमों के अनुबंध-॥ के पैरा (iv) में यथा निर्धारित संगत संकेतकों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है।
40. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के बारे में याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर विचार किया जिनका उल्लेख पूर्वोक्त पैराग्राफों में किया गया है। ऊपर दिए गए विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे हैं-
- (i) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है।
 - (ii) वर्ष 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है। तथापि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई है।
 - (iii) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है और यह पाटित आयातों के कारण क्षतिरहित कीमत से कम रही है।
 - (iv) कीमत ह्रास के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। वे अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में सफल नहीं रहे जिससे कि वे निवेशों पर उचित आय प्राप्त कर सकें क्योंकि पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर्याप्त रूप से कम हुई है।
 - (v) प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षति का सबसे महत्वपूर्ण कारण कम कीमत पर बिक्री का होना है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के न्यूनतम पहुंच मूल्य के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपने उत्पादों की उचित कीमत प्राप्त करने में सफल नहीं रहा है। इससे निवेश पर ऋणात्मक आय प्राप्त हुई है। पैराक्रैसोल विनिर्माण उद्योग में निवेश काफी अधिक हैं और बिक्री आय में हानि के परिणामस्वरूप इस उद्योग को हानि हुई है और निवेश पर ऋणात्मक आय प्राप्त हुई है जो कि इस उद्योग को हुई क्षति प्रदर्शित करता है।
 - (vi) उपर्युक्त आर्थिक मापदंड संचयी और सामूहिक रूप से यह प्रदर्शित करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
 - (vii) संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट नहीं आई है बल्कि इसमें वृद्धि हुई है और इसलिए मांग में कमी को क्षति के कारण के रूप में उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। इस उद्योग में ऐसा कोई तकनीकी विकास अथवा ऐसा कोई अन्य कारक जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता है, जानकारी में नहीं आया है।

ज. भारतीय उद्योग के हित

41. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

42. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु का उपयोग करने वाले उपयोक्ता उद्योग के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मक पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा और घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

झ. निष्कर्ष

43. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:-

- (i) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर हुआ है;
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है; तथा
- (iii) उक्त वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

44. प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर अंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन का मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन अथवा क्षति के मार्जिन, जो भी कम हो, से अनधिक शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो जाएगी। क्षति का निर्धारण करने के लिए आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से की गई है।

45. तदनुसार प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण की अनुसूची 1 के अध्याय शीर्ष 2907.12 के तहत आने वाले पैरा क्रेसोल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से ^{प्रारम्भिक} ~~अन्तिम~~ पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कालम 3 में उल्लिखित राशि और अमरीकी डालर/किग्रा में संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

क्र.सं. (1)	निर्यातक का नाम (2)	अमरीकी डालर/किग्रा (3)
1	मै. नानजिंग जिंगमाई कैमिकल कं.लि., चीन	2.445
2	मै. नानजिंग लांजियान कैमिकल कं.लि., चीन	2.445
3	चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक	2.445

46. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3,3क,8ख,9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

आगे की प्रक्रिया

47. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन जांच परिणामों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य संबंधित ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अलग से संबोधित किया जा रहा है, जो इस प्रारंभिक जांच परिणामों की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

(ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक अनुरोध के लिए अवसर प्रदान करेंगे जिन्हें बाद में लिखित में देना होगा ।

(घ) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे ।

(ङ.) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

एल. बी. सप्तक्रांति, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th January, 2003

Preliminary Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning import of Para Cresol originating in or exported from People's Republic of China - Preliminary Findings.

No. 14/29/2002-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Atul Ltd., Gujarat, representing the domestic industry, alleging dumping of Para Cresol (hereinafter referred to as subject goods) originating in and exported from Peoples' Republic of China (hereinafter referred to as subject country) ;
- (ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter, considered as properly documented;
- (iii) The Authority notified the Emuassy of Peoples' Republic of China in India about the receipt of dumping application made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated 27th August, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Para Cresol covered under Chapter heading/subheading 2907.12 of Schedule I of the Customs Tariff Act.

- (v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers and to the complainants and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- (vi) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassy of subject country in India.
- (vii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following exporters: -

China Jiansu International Eco. & Tech. Cooperation Co.,
No.1, Hanzhongmen Str., 9F, G.E. Hanzhong Garden,
Nanjing,
Jiangsu,
China – 210029.

Jiangsu Huaihua Group Co. Ltd.,
3-1, 3-J, Zhongsha Commercial Building,
9 # Hong miao,
North Hong Wu Rd., Nanjing,
Jiangsu,
China – 210018.

Xi'an Lijin Chemical Co. Ltd.,
China.
Tel. No. 00 86 029 2234384
Tel.No. 00 86 029 6253117

Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd.,
No. 102, Taixin Road Yanziji,
China.

Nanjing – Jingmei Chemical Co. Ltd.,
Jeinnggio – town,
Lifhui – county,
Nanjing,
China.

M /s China Jiangsu International Economic
-Technical Co-operation Corporation (CJIE:TCC),
11/F Chun Feng Mansion,
37 Hua Qiao Road,
Nanjing – 210 029.
China P.R.

M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd.,
Jingqiao Town, Lishui County,
Nanjing, China P.R.

- (viii) The Embassy of subject country in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;
- (ix) The questionnaire was sent to the following importers of subject goods:

Inventaa Chemicals Ltd.,
10-91, Sowbhagyanagar,
Opp. IDPL Colony,
Hyderabad – 500 037.

Nandolia Organic Chemicals,
4/Ahmed Amir Estate,
Opp. Bostan Hotel,
S.V. Road, Jogeshwari (West),
Mumbai – 400 012.

Ratnagiri Chemicals Pvt. Ltd.,
611 & 612, 6th Floor,
Raheja Arcade,
Sector – 11, C.B.D. Belapur,
Navi Mumbai – 400 614.

Metrochem Industries Ltd.,
505-506, 'Surya Rath', Panchwati,
Ellisbridge,
Ahmedabad – 380 006.

Benzo Chem Industries Ltd.,
Madhu Kunj, Shankar Ghanekar Marg,
Prabhadevi,
Mumbai – 400 025.

Ketan Chemical Corporation,
30, Swastik Plaza,
V L Mehta Road,
Juhu Scheme, Next to Kala Niketan,
Vile Parle (W),
Mumbai – 400 049.

Quality Industries,
W-50, MIDC, Phase II,
Dombivali (E), 421 204, Dist. – Thane,
Maharashtra.

Amruta Organics Ltd.,
B-23, Sinnar Tal. Co-op. Ind. Estate Ltd.,
Sinnar – 422 103 Dist – Nashik.

M/s Black Rose Exports Pvt. Ltd.
145-A Mittal Tower, Nariman Point,
Mumbai – 400 021.

- (x) Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished;
- (xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) Some of the interested parties requested for extension in time to file their response to the questionnaire which was granted upon due cause shown;
- (xiii) ***** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xiv) The investigation covered the period from 1st April 2001 to 31st March, 2002;
- (xv) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

B. PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner has made the following major arguments in their submissions:-

- (i) This application is filed seeking a levy of anti-Dumping duty on imports of Para Cresol from China. The said products are being dumped into the country at prices significantly below their normal values and as such, causing material injury to the Indian domestic industry manufacturing the said product.
- (ii) The product finds major uses in Dyes and Pigments, Perfumery and Drug Intermediates, Optical Brightener, Surfactants, Synthetic Food Flavour, Ultra violet Light Absorbers, Antioxidants and Stabilizers for lubricants.
- iii) Atul Limited is the only producer of Para Cresol in India.
- iv) Petitioner is capable of producing all grades of Para Cresol.
- (v) There is no difference between the products manufactured by the domestic industry in India and the imported goods.
- (vi) There is no difference between the production process of the domestic industry in India and that of the imported goods.

vii) The petitioner has relied on import data based on the source viz. Chemical Trade Intelligence.

On Dumping

(viii) We have tried to get information on prices of the subject goods in the domestic market of subject country. We have also made attempts to get price list of the exporters or price evidence for the export to other country. We submit that we have not been able to get any direct evidence with regard to the prices of the subject goods in the subject country or the price list of the exporters either for sale in that country or for exports to other country. We submit that constructed normal value is a good indicator of the normal value for the purpose of initiation of investigation. Since the application is for imports from China, we request the Designated Authority to apply the provisions of Rules 7 & 8 (as amended) of the Anti Dumping Rules. Accordingly, the Designated Authority is requested to accept constructed normal value based on the details given in the confidential version of the petition.

(ix) The export price for subject country has been worked out on the basis of the import figures available with us along with the cif values. Adjustments have been made on account of Ocean Freight, Marine Insurance, Inland Transportation in the country of export, Port handling and Port charges to arrive at ex-factory export price.

On Injury

x) **Imports from the subject country** – It can be seen that the imports from China increased from a mere 267 MT in the year 1999-2000 to 586 MT during the period of investigation. China is the only supplier of the product under consideration during the period of investigation. Further, imports from the subject country in comparison to the total demand in the country has more than doubled during the period of investigation over the year 1999-2000.

xi) **Changes in Market Share held by the Indian Producers** - The share of the domestic industry in the total consumption in the country has declined from 89.82% in the year 1999-2000 to 85.15% during the period of investigation.

xii) **Evidence of lost contracts** – The complainant domestic industry tried its best to hold on to the existing customers and increase its customers base by reducing prices. Yet the fact that 586 MT of dumped imports arrived into India during POI is adequate evidence that it lost potential customers.

xiii) **Output/Productivity & Capacity utilization** - The production by the petitioner declined during the period of investigation over the preceding financial year. It can be seen that there has been a drop in the capacity utilization of the domestic industry to the extent of about 4.91% in the period of investigation over the preceding financial year. It would, therefore, be clear that the domestic industry's position has deteriorated significantly in view of the fact that there is a drop in the capacity utilization.

xiv) **Sales Volume & Value** – The volume of sales by the petitioner went up during the period of investigation over the preceding financial year but this is at the cost of reduction in sales prices by the domestic industry. It may be mentioned that the pressure on the prices of the domestic industry has led to a situation of direct losses to the domestic industry even though we have been able to retain our market share.

xv) **Inventories** – The inventories have drastically increased from ****MT at the end of March 2001 to ****MT as on 31.03.2002, an increase of over ****%.

xvi) **Employment** – The employment has marginally decreased in the period of investigation. The number of employees declined to ****as against ****in the previous year.

xvii) **Wages** – Because of rigidity of labour laws in India, the wage costs have gone up even though the domestic industry is incurring losses on their operations of para cresol.

xviii) **Profitability** – Dumping by China had a significant impact on the net sales realization by the domestic industry for the subject goods. To hold on to its market share, the petitioner had to compete with low priced offers/imports of subject goods from the subject country. Due to the dumping by the subject country, the domestic industry had to suffer a loss in the period of investigation. It may be seen that the profitability of the company as a ratio between cost of sales and sales value has been declining over the last three years.

xix) **Return on Investment (Capital Employed)** – The impact of losses mentioned above are further amplified if they are seen in relation with effective capital employed in the plant. It may be noted at the outset that Para Cresol industry is highly capital intensive. The industry has invested an amount of Rs.**** per metric tone of installed capacity. This will require a minimum profit of over Rs.**** per metric ton. As against a reasonable profit, the domestic industry is, in fact, incurring a loss of Rs.**** per MT on its sales. It can also be seen that the domestic industry is incurring loss of ****% on effective capital employed in per MT production of Para Cresol.

xx) **Price Underselling** – Despite best efforts to cut costs and streamline their operations, the domestic industry is not in a position to realize a reasonable price for their products. The landed value of the product under consideration from China is much lower than the prices the domestic industry ought to have realized on the sales of the subject goods. The injurious effect of this high level of price underselling has had a direct and deleterious effect on the financial performance of the domestic industry.

xxi) **Magnitude of Margin of Dumping** – According to the estimates made by the Petitioner, the margin of dumping works out to 36.49% for China.

xxii) **Actual and potential negative effect on cash flows** – As mentioned earlier, the domestic industry is working at a loss. There is a considerable impact on cash flows coupled with the fact that the inventory levels in this industry are also high.

xxiii) **Growth** – Because of losses the industry is not able to make any investment.

CAUSAL LINK

xxiv) From the details of the imports given in the foregoing paragraphs, it is clear that the imports of subject goods from sources other than China is nil indicating that other sources are also not able to compete with the dumped goods.

xxv) Demand for subject goods is more or less constant and, therefore, decline in demand is not a factor causing injury to the domestic industry.

xxvi) The sharp increase of dumped imports at injurious price of subject goods has prevented the domestic industry from realizing a reasonable remunerative selling price in the domestic market. A thorough examination of all the factors will clearly show that the only cause of material injury suffered by the petitioners is the dumped imports. The causal link between material injury and the dumped imports from China is, therefore, established beyond any doubt.

C EXPORTERS', IMPORTERS', USERS' AND OTHER INTERESTED PARTIES' VIEWS

4. Responses have been received from the following exporters: -

- (i) M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA
- (ii) M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., CHINA

5. The submissions made and/or the information provided by the above exporters are as follows: -

a) M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA

i) M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA is a Chinese – foreign equity joint venture, duly established in accordance with the Law of the People's Republic of China on Chinese-foreign equity joint ventures as a legal person of China on July 25, 1994.

ii) A copy of the Business licence of the respondent and a copy of the Articles of Association is furnished.

iii) The Respondent independently operates business and production activities, freely selects suppliers and customers, and develops sales market in response to the signal of the market.

iv) The Respondent would like to claim Market Economy / Individual Treatment. The Respondent will be pleased to cooperate with the Indian Investigating Authority should any additional information be requested.

v) The exporter has furnished information relating to domestic sales, exports, cost of production etc. on the different annexures.

b) M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., CHINA

i) M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., CHINA, a Chinese-foreign equity joint venture, is incorporated in accordance with the Law of the People's Republic of China on Chinese-foreign equity joint ventures in 1993.

ii) A copy of the Business licence of the respondent and a copy of the Articles of Association is furnished.

iii) The Respondent independently operates business and production activities, freely selects suppliers and customers, and develops sales market in response to the signal of the market.

iv) In this respect, the Respondent would like to claim Market Economy Individual Treatment. The Respondent will be pleased to cooperate with the Indian Investigating Authority should any additional information be requested.

v) The exporter has furnished information relating to domestic sales, exports, cost of production etc. on the different annexures.

6. The following importers have responded by giving information on the Importer's questionnaire :

- (i) M/s Nandolia Organic Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai
- (ii) Universal Chemicals & Industries Ltd., Mumbai
- (iii) Black Rose Exports Pvt. Ltd., Mumbai

7. Following other submissions have been made by M/s Black Rose Exports Pvt. Ltd., Mumbai for non-imposition of anti-dumping duty on Para Cresol from China :

- (i) Atul Limited is the only manufacturer of Para Cresol in India with a Plant Capacity of 5000 MT/annum. The grade manufactured is of 85 – 96% purity. Thus in terms of 98% purity it works out to 3750 MT / annum.
- (ii) Atul themselves manufacture down stream products like P cresidine, Para Anisaldehyde, Para Anisic Alcohol which consumes around 3370 MT. And balance of some 1500 MT is sold for domestic market.
- (iii) Indian market of Para Cresol is to the tune of 7600 MT and as explained above, Atul Ltd. has only about 1500MT surplus for domestic sales. So the only alternative left is to import Para Cresol.

- (iv) Atul manufactures 98% purity at the most, that too is available on request & subject to availability, since most of it is 85 - 96% purity.
- (v) Manufacturers of Para Anisaldehyde, Para Anisic Alcohol require a purity of 99% min with set Point of 33.5 Deg C to manufacture their end product to get acceptance in International markets. Atul cannot give such material.
- (vi) Anti dumping in Para Cresol would mean loss of quality, if manufactured from Atul's material & consequently loss of Export Revenues to the Nation.
- (vii) Input Output Norms specify that mfg 1 Mt Para Cresol requires 1.559 MT Toluene + 1.63 Mt Caustic Soda. This norm in fact has been fixed based on Atul's mfg. If Para Cresol is made based on above, the Cost that arrives is much less than the Import Price. That means Atul has a problem of either Technological inefficiency or outdated know-how.
- (viii) Other than China even UK offers at same Price levels.
- (ix) Aromatic Division of Atul which manufactures these products is the most profitable Division in the entire group. It means at even these price levels, they have a sufficient level of profits & eventually means imports do not hurt their bottom line.
- (x) Until China started offering for Indian markets, Atul had enjoyed virtual monopoly and the same monopolistic situation would one again prevail if Anti Dumping is imposed.
- (xi) Atul offer Para Cresol on quota system whereby only a few customers get material on regular basis.

8. Submissions made by other Importers / users :

a) M/s Global Bulk Drugs & Fine Chemicals Pvt. Ltd., Hyderabad have made following general submissions :

- (i) One of the Bulk Drugs, Diltiazem and its intermediates are manufactured from the basic Raw Material 'Para Anisic Aldehyde' manufactured and supplied by M/s Atul Limited, M/s Nandola Organics and M/s Ascent Fine Chem Pvt. Ltd.
- (ii) M/s Atul Limited has manufacturing Capacity of about 5000 MT of Para Cresol of 95% purity.
- (iii) It consumes captively about 2800 MT p.a. of Para Cresol in manufacture of para Anisic Aldehyde.

15862/2003-5

- (iv) It consumes captively about 300 MT p.a. of Para Cresol in manufacture of Para Cresdine.
- (v) It also consumes about 190 MT p.a. of Para Cresol in manufacture of Para Anisic Alcohol.
- (vi) Further it sells about 1500 MT p.a. of Para Cresol in the local market to down stream manufacturers.
- (vii) On meeting all the above requirements, surplus of Para Cresol in balance with Atul Ltd. will only be 110 MT. The Installed Capacity for manufacture of 'Para Anisic Aldehyde' of M/s Ascent Finechem Pvt. Ltd. and M/s Nandolia Organics Pvt. Ltd. is about 750 MT each/per annum which needs to use about 1000 MT/each/p.a. of Para Cresol. Thus the total demand of above manufactures of Para Cresol is 2000 MT p.a. which cannot be met by M/s Atul Ltd. as they do not have any surplus quantities to meet this requirement. It may also be noted that M/s Atul Ltd., being the only manufacturer of the Para Cresol in India, it is all the more Monopolistic situation where any dependence on them for supply of Para Cresol will not only be suicidal but also detrimental to the interest of the Bulk Drugs Manufacturers.
- (viii) Further, before the entry of M/s Nandolia Organics and M/s Ascent Finechem in the market M/s Atul Limited has been enjoying a monopolistic market and was selling Para Anisic Aldehyde at a price of about Rs.350/kg. Which due the entry of competitors has come down presently to Rs.225/kg. This has enabled the domestic Bulk Drug Industry to compete effectively in the International Market.
- (ix) We also wish to bring to your kind notice that the Landed price of imported Para Cresol is higher than the price of M/s Atul Ltd. The cost of production of Para Cresol of M/s Atul Ltd. is about Rs.70/kg. against their selling price of Rs.110/kg. The Chinese Para Cresol is being exported at US D 1.58 to 1.60/kg CIF Indian Ports.
- (x) Thus imposition of any anti-dumping duty on para cresol will be of disadvantage to other para Anisic Aldehyde manufactures as they have to depend on M/s Atul Limited for supply Para Cresol which is major raw material for manufacture of Para Anisic Aldehyde. This will lead to increase in prices of Para Anisic Aldehyde and throw the other manufactures out of market creating again monopolistic situation detrimental specifically to the interest of Para Anisic Aldehyde Manufacturers and Bulk Drug Industry in general.
- (xi) The information is furnished based on the Balance Sheet of M/s Atul Limited as on 31.3.2002 and information from the market sources.

ant Fragrance Pvt. Ltd. have made following submissions :

- (i) We manufacture a variety of fine chemical products of high quality and supply them in the domestic as well as international markets. The basic raw materials are one or more downstream products of para cresol. At present these downstream products are available to us at competitive rates from several domestic manufacturers and suppliers. M/s Atul Limited also happens to be a major manufacturer and supplier of these downstream products of para cresol. If this petition is approved, it would render it to be a sole manufacturer and supplier of these downstream products placing it in a monopolistic position. This will also result in non-availability or short supply of these products because of non-viability of producing these products by existing manufacturers. The overall situation will drive us to be incompetent in the domestic as well as international markets.

- (iii) In view of what is stated above, we request you not to approve the petition filed by M/s Atul Limited to help safeguard our genuine business interests.

- c) M/s Moreya Global Pvt Ltd, Mumbai have informed in their submissions that para cresol supplied by M/s Atul Limited is not only of inferior quality but also does not have any consistency. M/s Atul Limited is also not supplying material on time. M/s Atul Limited finds competition only from para cresol imported mostly from China. If anti dumping duty is imposed on Para Cresol, M/s Atul Limited will enjoy absolute monopoly. Under such situation, entire Indian aroma chemical industry which has good overseas export exposure will suffer heavily.

- d) M/s Zenith Enterprise, Ahmedabad and M/s Naikhavare Chemicals Ltd, Mumbai have opposed the petition of M/s Atul Limited stating that M/s Atul Limited being the only manufacturer of Para Cresol in India, is not able to cope with the local demand for this product and their supplies are inconsistent. Atul offers two grades of Para Cresol viz. 95% and 98% purity with a huge price difference between these grades. Proposed imposition of anti dumping duty on Para Cresol will bring up Para Cresol prices by Atul Limited as well as other international suppliers. This will adversely affect their production.

EXAMINATION AND FINDINGS BY THE AUTHORITY

9. The submission made by the petitioners, importers, exporters and other interested parties, to the extent filed before the Authority have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

10. The cases of new exporters or those stated to be willing to undertake undertaking shall be considered, on request, by the Authority in accordance with the Rules supra.

Product Under Consideration

11. The product under consideration in this investigation is Para Cresol (hereinafter referred to as subject goods). The subject goods find major uses in Dyes and Pigments, Perfumery and Drug Intermediates, Optical Brightener, Surfactants, Synthetic Food Flavour, Ultra violet Light Absorbers, Antioxidants and Stabilizers for lubricants.

The product is covered under Customs heading 2907.12 of Schedule I of Customs Tariff Act. This Custom classification is however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The product is classified under ITC HS Code 290712 01.

Like Article

12. The petitioners have claimed that there is no difference between the products manufactured by the domestic industry in India and the imported products. The Authority notes that the domestic industry produces Para Cresol in different grades. The importers, in their arguments, have not disputed that M/s Atul Limited is capable of producing different grades of Para Cresol. The Authority is of the view that the product being imported substitutes the product manufactured by the domestic industry. Thus, the Authority holds, for the purpose of preliminary determination, that Para Cresol being produced by the domestic industry is like article to the product under consideration.

Domestic Industry

13. The petition has been filed by M/s Atul Limited (Aromatics Division), Dist. Valsad, Gujarat. The petitioner company is the sole producer of Para Cresol in India. Therefore, they represent the 100% domestic production of the subject goods. The petitioner has informed to have made imports of 32 MT during POI under Advance Licence for fulfilling export obligation. It has been argued by some of the importers that since the petitioner has made imports during the POI they may not be treated as part of the eligible domestic industry. The Authority notes that the imports of 32 MT made by M/s Atul Limited during POI were meant for export production and these imports were necessitated due to a planned stoppage of their Para Cresol plant. The Authority does not consider these small quantity imports for export production to make the petitioner as ineligible to be treated as 'Domestic Industry' within the meaning of Rule 2(b) supra. Petitioner is, therefore, considered to represent the domestic industry.

E. DUMPING & EXAMINATION OF CLAIMS MADE ON NORMAL VALUE & EXPORT PRICES

Normal Value

14. Under Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 normal value in relation to an article means:

"(i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

15. The Authority sent questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c). The responses were received from the following two exporters:

- (i) M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA
- (ii) M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., CHINA

16. The petitioner had claimed that they had not been able to get any direct evidence with regard to the prices of the subject goods in the subject countries or price list of the exporters either for sale in that country or for export to other country. Further, they have requested to apply the provisions of Rules 7 & 8 (as amended) of the Anti Dumping Rules for normal value determination as the exporters are from China. Accordingly, they have requested to accept constructed normal value. The aforesaid two exporters, in their response, have claimed market economy / individual treatment. They have also claimed that they independently operate production and business activities, freely select suppliers and customers, develop sales market in response to the signal of the market.

17. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of Anti Dumping Rules, inter-alia, provide that :

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the

like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin.

Further para 8 of Annexure 1 of Rules supra (as amended) provides that the

"8.(1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country.

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether :

(a) the decisions of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject

to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph."

18. The Authority notes that the two exporters have claimed market economy/individual treatment on the ground that they independently operate production and business activities, freely select suppliers and customers and develop sales market in response to the signal of the market. The Authority, however, finds that sufficient evidence and information on the basis of the criteria specified in sub-para (3) in paragraph 8 has not been furnished to rebut the presumption that the exporters are from non-market economy. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 of Rules supra and is constrained to proceed as per 'facts available'. In addition, the Authority observes that the information furnished by the exporters relating to cost of production as required under Appendix 8 & 9 of the questionnaire was incomplete and incorrect. In respect of raw materials, the ratio of each raw material in the final product was not given; the basis of allocation of costs to Para Cresol production was not given. From the available financial statement viz. profit & loss account, balance sheet, the cost of production for the POI was not verifiable. As the furnished information did not enable the Authority to verify the cost of production, the domestic sales transaction could not be treated to be in the ordinary course of trade. The Authority has separately informed in detail the shortcomings in the information furnished to the concerned exporters. This information, if furnished subsequently by the exporters, will be considered for the final determination.

19. Under the circumstances, Normal value under the Rules is determined on the basis of 'facts available' as per Rule 6(8). Therefore, the information available on the estimated cost of production as per evidence furnished by the petitioner plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit has been taken as the basis for working out the Normal value of subject goods in China PR which is considered to be US \$ ***/kg. While considering the evidence regarding cost of production furnished by the domestic industry, the Authority has referenced the Normal Value with reference to actual cost of production of domestic industry after normating it at optimum efficiency level.

Export price :

20. **M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., CHINA**

M/s Nanjing Jingmei have informed that they did not export the product concerned to the Indian market directly during the period of investigation but exported by domestic trading companies. The Authority notes that ***MT Para Cresol produced by Nanjing Jingmei was exported by the domestic trading companies to India. The Authority has also considered the information furnished by the co-operating importers regarding their imports from China P.R. The exporter has shown adjustments on account of inland freight and handling charges from the sales price to the domestic trading companies.

The Authority has made adjustments on these accounts to arrive at the export price at ex-factory level.

21. M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA

M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd. have given information regarding exports of ***MT Para Cresol to India. They have shown adjustments on account of discounts, port charges, ocean freight, insurance and bank charges. Adjustments on these accounts have been made from the weighted average export price as furnished by the exporter to arrive at the export price at ex-factory level.

Dumping margin

22. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin are laid down in Annexure-I to the Rules. For the purpose of the fair comparison between the normal value and export price, the Authority has made calculations and comparisons at the same level of trade in respect of Para Cresol 98%. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of Para Cresol. Considering the normal value and export price, determined as detailed above, the dumping margin comes as under:

S. No.	Name of Exporter	Dumping Margin %
1.	M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd. , CHINA	40.74%
2.	M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., CHINA	31.94%
3.	Other Exporters from China P.R.	45.04%

F. INJURY

23. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

“Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such

articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

24. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti- Dumping Rules lay down that:

(i) A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

(ii) While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

25. Views of the petitioners

The views of the petitioner as regards injury and causal link are contained in Part B of these findings and these are not being repeated for the sake of brevity

Examination by the Authority:

26 The Authority has considered the views of the petitioner, exporters, importers and users as regards injury. The Authority has examined the information regarding various injury parameters as under:

Imports from subject country :

27. As per the petition, the imports from subject country were 267.4 MT in 1999-2000, 724 MT in 2000-01 and 586 MT during POI 2001-02. However, as per the information received from the exporters / Importers, the Authority finds that the imports of Para Cresol from subject country during POI were 1217.88 MT. The Authority finds that imports from subject country grew by 68% during POI over the previous year. However the share of imports from subject country in the total imports grew to 100% during POI in comparison to the previous year share of 99.72% and in the year 1999-2000 of 68.82%. The Authority finds that there has been significant increase in the dumped imports from subject country in absolute terms.

Market share:

28. The Authority finds that the market share of the domestic industry and the imports from the subject country in the demand of subject goods has been as under :

15861/2003—6

	1999-2000	2000-2001	2001-2002(POI)
Share of domestic industry (%)	49.67%	27.68%	30%
Share of imports from subject country	34.54%	72%	70%

Market share of imports from subject country in the total demand for the subject goods has increased from 34.54% in 1999-2000 to 70% during POI. However, the market share has reduced from 72% in the previous year. The market share of the domestic industry in the total demand of subject goods has not declined during POI. It has increased from 27.68% during 2000-01 to 30% during the POI.

Capacity Utilisation:

29. The Authority finds that the capacity utilization of the domestic industry declined during the POI as reflected in the table below:

Year	Capacity Utilization (%)
1999-2000	61.78%
2000-2001	67.71%
2001-2002 (POI)	62.80%

(Indexed)

Sales Volume:

30. Sales volumes of domestic industry increased from ** in 2000-01 to *** in POI and indexed figures are as under :

Year	Sales Volume (MT)
1999-2000	100
2000-2001	69
2001-2002 (POI)	130

Inventory :

31. The Authority finds that the inventory of finished goods held by the domestic industry has increased considerably at the end of financial year in March, 2002 in comparison to the previous year closing on March, 2001. This showed an increase of ***%.

Employment :

32. The employment has marginally decreased in the period of investigation.

Wages :

33. The Authority notes that the wage costs have gone up.

Profitability:

34. The Authority has taken note of the arguments of some of the importers/ users that Aromatic Division of M/s Atul Limited makes huge profits and therefore, domestic industry cannot claim injury. M/s Atul Limited manufactures several products in the Aromatic Division and Para Cresol is one of the products. The Authority finds that dumping of subject goods had a significant impact on the net sales realization of the domestic industry for the subject goods. The petitioner had to compete with the low priced offers / imports of subject goods from subject country. The cost of sales has been higher than the sales realization resulting in losses suffered by the domestic industry in the manufacture and sale of subject goods during POI. Therefore, the Authority finds that the domestic industry has suffered losses in their manufacturing operation relating to Para Cresol.

Return on capital employed:

35. The Authority notes that manufacturing of Para Cresol is highly capital intensive. Instead of earning a reasonable profit, the domestic industry, is in fact incurring a loss of Rs.*** per MT on the sales of Para Cresol. Therefore, the domestic industry is incurring a loss of ***% on effective capital employed on per MT production of Para Cresol.

Price under selling:

36. The Authority has compared the Non-injurious price of the domestic industry with the landed value of imports of subject goods and has found that there is significant price under selling as a result of dumped imports.

NIP	***
Landed value	***
Under selling %	***(+ve)

Actual and potential negative effect on cash flows:

37. The Authority finds that the domestic industry has not been able to earn even nominal returns on the capital employed for manufacture of Para Cresol. The inventory levels are also high. Therefore, there is a considerable impact on the cash flows of the domestic industry.

Growth:

38. The Authority finds that because of losses the domestic industry is finding it very difficult to make any new investment.

G. CAUSAL LINK

39. The Authority has examined the impact of the dumped imports on the domestic industry as per principle (v) of Annexure-II of the Anti-Dumping

Rules. The relevant indices as set forth in para (iv) of Annexure II of the Rules have been examined by the Authority.

40. The Authority has considered the views expressed by the petitioners and other interested parties as regards the causal link, which have been mentioned, in the preceding paragraphs. After examining the various economic parameters as above the Authority has come to the following conclusions:

- i) There has been an increase in imports of subject goods from subject country in absolute terms.
- ii) The market share of the dumped imports from the subject country has increased significantly during POI in comparison to the year 1999-2000. However, it has decreased marginally during the POI in comparison to the previous year.
- iii) The selling price of the domestic industry decreased during the POI as compared to year 2000-01 and the same has been below the non-injurious price (NIP) on account of dumped imports.
- iv) The domestic industry has suffered injury due to price suppression. They have not been able to raise their selling price so as to realize a fair return on the investments as the landed value of the dumped imports has considerably depressed the selling price of the domestic industry.
- v) The Authority concludes that the most significant cause of injury to the domestic industry has been the price under selling. As a result of lower landed value of imports of subject goods from subject country, the domestic industry has not been able to realize a fair and reasonable price for its products. This has led to negative return on investment. The investments in the Para Cresol Manufacturing Industry are quite heavy and the loss on sales realization has resulted in losses and negative return on the investment by the industry which reflects the injury suffered by the industry.
- vi) The above economic parameters cumulatively and collectively establish that domestic industry has suffered material injury on account of dumping.
- vii) The demand of the subject goods has not decreased but has instead increased and therefore, contraction of demand cannot be attributed as a cause of injury. No technological development in the industry or any other such factor which could have resulted in injury to the domestic industry has been noticed.

H. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

41. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation

of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

42. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the user-industry using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

I. CONCLUSIONS

43. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Subject goods have been exported to India from subject country below the normal value;
- (ii) The domestic industry has suffered material injury; and
- (iii) The material injury has been caused by the dumped imports from subject country.

44. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of subject goods from subject country in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty not exceeding the margin of dumping or the margin of injury whichever is lesser and which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the non-injurious selling price of the domestic industry determined for the period of investigation.

45. Accordingly, the Authority recommends that provisional anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Para Cresol falling under Chapter Heading 2907.12 of Schedule I of Custom Tariff Classification originating in or exported from People's Republic of China pending final determination. The anti dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 3 in the following table and the landed value of imports of the subject goods in US\$/kg.

S. No. (1)	Name of Exporter (2)	US\$/Kg (3)
1.	M/s Nanjing Jingmei Chemical Co. Ltd., China	2.445
2.	M/s Nanjing Longyan Chemical Co. Ltd., China	2.445
3.	Other Exporters from China P.R.	2.445

46. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

J. FURTHER PROCEDURE

47. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for making oral submissions which have to be rendered thereafter in writing;
- (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority